an>

Title: Regarding bringing uniform price fixation policy for potato growers in Punjab.

**श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब):** अध्यक्ष महोदया, मैं पंजाब के किसानों का एक बहुत महत्वपूर्ण विषय हाउस में रखना चाहता हूं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार पंजाब के किसानों की मदद करे। आलू के दाम पिछले तीन वर्षों से किसानों को न मिलने के कारण सड़कों पर फेंका जा रहा है। मैं चाहता हूं कि जैसे 22 फसलों को एमएसपी में लिया गया है, आलू और बासमती को भी उसमें लिया जाना चाहिए। आलू और बासमती समय भी कम मांगते हैं और पानी भी कम मांगते हैं। बासमती और आलू के लिए कोई कार्पोरेशन बनानी चाहिए, ताकि उनको दाम मिल पाएं।

मैडम, किसान 15 रुपये प्रति किलो दुकानों से खरीदता है। जब किसान उसको बेचता है, तो 2 रुपये प्रति किलो बिकता है। कम से कम कोई मूल्य तय होना चाहिए। खेती तो पहले ही घाटे में जा रही है। जब देश आज़ाद हुआ था, तब 52 पर्सेंट जीडीपी में इसका हिस्सा था, जो अब केवल 12 पर्सेंट रह गया। मैं चाहता हूं कि 3 दिन खेती के मामले में यहां पर डिसकशन होना चाहिए कि खेती कैसे प्रॉफिटेबल बन सकती है और किसान खेत मजदूर की आमदनी कम से कम तय होनी चाहिए, यह व्यवस्था बने। हमारी सरकार बहुत सी पालिसीज लाई है। उन पालिसीज में कहां कमी रही है? उसे कैसे दूर किया, यह रिव्यू होना चाहिए। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह विनती करता हूं। …(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :**

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्री सुमेधानन्द सरस्वती को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

**श्री वीरेन्द्र सिंह (भदोही):** मैडम, यह किसानों का सवाल है।

**माननीय अध्यक्ष :** वीरेन्द्र जी, आप अपनी सीट पर नहीं हैं।

…(<u>व्यवधान</u>)

**श्री वीरेन्द्र सिंह:** मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि किसानों पर एक बार चर्चा का समय निर्धारित करें। … …(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** कर देंगे। श्री ए.पी.जितेन्द्र रेड्डी।

…(<u>व्यवधान</u>)